

Causative agent

- An acute infection caused by the varicella-zoster virus
- Mainly affects children under 12 years of age
- Almost all persons develop lifelong immunity after chickenpox infection
- The virus may remain latent in the body and recur many years later as herpes zoster (shingles)

Clinical features

- Fever
- Itchy skin rashes which first appear as flat spots and later as vesicles. The vesicles continue for 3 – 4 days, then dry up and form scabs
- Usually recovers in about 2 – 4 weeks
- Persons who have received chickenpox vaccination may still develop chickenpox (known as 'breakthrough disease'). The clinical presentation is usually mild or atypical. There may be fewer skin lesions and the skin rash is usually maculopapular with few or no vesicles. Compared with non-vaccinated persons, the duration of illness is usually shorter

Mode of transmission

- Can be spread through droplets or air
- Can also spread through direct or indirect contact with the discharges from vesicles and mucous membranes of persons with chickenpox or herpes zoster

Incubation period

- 10 – 21 days, usually 14 – 16 days

Infectious period

- Usually 1 – 2 days before rash appears and until all vesicles have dried up
- Extremely contagious, especially in the early stage of rash eruption

Complications

- Secondary bacterial infection of the wound may occur
- Those with weakened immunity or are pregnant are most likely to suffer from severe complications such as pneumonia and encephalitis
- Newborn babies who develop chickenpox can result in severe illness and even death
- Infection in early pregnancy may be associated with congenital malformation of the foetus

Management

- Consult the doctor to understand the condition and follow health professional's advice to take medicine to relieve symptoms
- If having a fever, drink plenty of water and have adequate rest
- Wear clean cotton gloves during sleep to prevent scratching of the vesicles
- Avoid contact with pregnant women and persons with weakened immunity
- Sick children should stay at home and be excluded from Schools/ Kindergartens/ Kindergartens-cum-Child Care Centres/ Child Care Centres until all vesicles have dried up, usually about 1 week after appearance of rash to prevent spreading the disease to others
- Parents should closely monitor the child's condition. If the child persistently runs a fever, refuses to eat or drink, vomits or looks drowsy, immediate medical attention should be sought
- Parents should also closely monitor other children in the household for signs and symptoms of chickenpox

Prevention

- Maintain good personal and environmental hygiene
- Chickenpox vaccine is available in Hong Kong. About 90% of persons who receive the vaccine will acquire immunity
- Under the Hong Kong Childhood Immunisation Programme, children receive a two-dose course of chickenpox vaccination (Please refer to the Hong Kong Childhood Immunisation Programme). Parents may consult family doctors or Maternal and Child Health Centres for details.

चिकन पॉक्स (Hindi Version)

दादुरा (Nepali Version)

چکن پاکس/لاکڑا کاکڑا (Urdu Version)



चिकन पॉक्स

कारक एजेंट्स

- वैरिसेल-ज़ोस्टर वायरस से होने वाला तीव्र संक्रमण
- 12 साल से कम उम्र के बच्चों को मुख्य रूप से प्रभावित करता है
- लगभग सभी व्यक्ति चिकन पॉक्स संक्रमण के बाद आजीवन प्रतिरक्षा विकसित करते हैं
- वायरस शरीर में सुषुप्त रह सकता है और कई सालों बाद हर्पीज ज़ोस्टर (दाद) के रूप में सामने आए।

नैदानिक विशेषताएं

- बुखार
- त्वचा पर खुजली वाले चकते जो पहले सपाट निशान और बाद में फफोलों के रूप में दिखाई देते हैं । ये फफोले तीन-चार दिनों तक रहते हैं, फिर सूखकर स्कैब बनाते हैं।

- सामान्य तौर पर दो-चार सप्ताह में ठीक होता है।

- जिन व्यक्तियों को चिकन पॉक्स का टीका लगा है, उन्हें फिर से चिकन पॉक्स (जिसे 'ब्रेकथ्रू बीमारी' कहा जाता है) हो सकता है । आमतौर पर नैदानिक प्रस्तुति हल्की या असामान्य होती है। त्वचा के घाव कुछ कम हो सकते हैं और आम तौर पर त्वचा के फफोले मैक्युलोपापुलर के साथ कम या नहीं हो सकते हैं। गैर-टीकाकरण वाले व्यक्तियों की तुलना में, बीमारी की अवधि आमतौर पर कम होती है।

संचरण का माध्यम

- बूंदों या हवा से फैलाव

- चिकन पॉक्स या हर्पीज जोस्टर से पीड़ित व्यक्ति के फफोलों और श्लेष्म झिल्ली से निकलने वाले द्रव्य के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क में आने से भी फैल सकता है।

इंक््यूबेशन अवधि

- 10 - 21 दिन, आम तौर पर 14 - 16 दिन

संक्रमण अवधि

- चकते होने से पहले आम तौर पर 1 - 2 दिन और सभी फफोलों के सूखने तक

- अति संक्रामक, खासकर चकते होने के शुरुआती चरण में

जटिलताएं

- घाव में अतिरिक्त बैक्टीरिया संक्रमण हो सकता है

- जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है या गर्भवती हैं, उनके निमोनिया और एन्सेफलाइटिस जैसी गंभीर जटिलताओं से पीड़ित होन की बहुत ज्यादा आशंका है।

- नवजात शिशुओं को जिन्हें चिकन पॉक्स होता है, वो गंभीर रूप से बीमार पड़ सकते हैं या उनकी मौत भी हो सकती है।

- गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में संक्रमण भ्रूण की जन्मजात विकृति के साथ जुड़ा हो सकता है

प्रबंधन

- हालात को स्थिति को समझने के लिए डॉक्टर से परामर्श करें और दवा के सेवन से लक्षणों से निजात पाने के लिए स्वास्थ्य पेशेवर की सलाह का पालन करें
- यदि आपको बुखार है तो खूब पानी पिएं और पर्याप्त आराम करें
- फफोलों में खरोंच से बचाव के लिए सोते समय सूती कपड़े का साफ-सुथरा दस्ताना पहने
- गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों के संपर्क में आने से बचें
- बीमार बच्चों को घर पर ही रहना चाहिए और उन्हें स्कूल/ किंडरगार्डन/किंडरगार्डन -कम-चाइल्ड केयर सेन्टरों/चाइल्ड केयर सेन्टरों तब तक नहीं जाना चाहिए जब तक सारे फफोले सूख न जाएं, आमतौर पर चकते दिखने के एक सप्ताह बाद तक ताकि दूसरों तक बीमारी को फैलने से रोका जा सके
- माता-पिता को बच्चे की स्थिति पर नजर रखनी चाहिए। यदि बच्चे को लगातार बुखार है, खाने या पीने से मना करता है, उल्टी करता है या उनींदा लगता है, तो तत्काल उसकी चिकित्सा पर ध्यान देना चाहिए
- माता-पिता को चिकन पॉक्स के संकेतों और लक्षणों के लिए घर में अन्य बच्चों पर भी नजर रखनी चाहिए।

रोकथाम

- बेहतर निजी और पर्यावरणीय स्वच्छता बनाए रखें
- हांगकांग में चिकन पॉक्स का टीका उपलब्ध है। लगभग 90% व्यक्ति जो टीका प्राप्त करते हैं प्रतिरक्षा हासिल कर लेंगे।
- हांगकांग बालपन टीकाकरण कार्यक्रम के तहत, बच्चों को चेचक टीकाकरण के दो खुराक दिए जाएँगे (कृप्या हांगकांग बालपन टीकाकरण कार्यक्रम का संदर्भ लें)। माता-पिता विवरण के लिए परिवार के डॉक्टरों या मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्रों से परामर्श कर सकते हैं।

सैंटर फॉर हेल्थ प्रोटेक्शन वेबसाइट: www.chp.gov.hk

अप्रैल 2019 में संशोधित

दादुरा

कारक तत्व

- भरिसेल्ला-जोस्टर भाइरसले निम्ताउने सुक्ष्म संक्रमण
- मुख्यत 12 वर्षभन्दा मुनिका बालबालिकाहरूलाई प्रभाव पार्छ
- दादुराको संक्रमणपछि प्रायः जसो धेरै व्यक्तिहरूलाई जीवनकालीन प्रतिरोधात्मकको विकास हुन्छ
- भाइरस शरीरमा नदेखिनेगरी बस्न सक्छन् र हार्पेस जोस्टर (शिङ्गोल्स) को रूपमा धेरै वर्षपछि दोहोरिन सक्छ।

रोगका लक्षणहरू

- ज्वरो आउने
- चिलाउने छालाको बिबिराहरू जो सुरुवातमा समतल दागहरूको रूपमा देखा पर्छन् र पछि फोडाको रूपमा देखिन्छन्। फोडाहरू 3 देखि 4 दिनसम्म देखिन्छन् र अनि सुक्छा हुन्छन् र पाप्राको रूप लिन्छन्।
- प्रायः 2 देखि 4 दिनमा निको हुन्छ।
- दादुरा विरुद्ध खोप लगाइसकेका व्यक्तिहरूमा पनि दादुराको सङ्क्रमण हुन सक्छ (ब्रेकथ्रु रोग भनेर पनि चिनिन्छ)। चिकित्सकीय प्रस्तुति साधारणतया हलुका वा असामान्य हुन्छ। छालामा घाउ कम हुन्छ र कम अथवा बिना फोडासँग बिबिरा देखा पर्छन्। खोप नलगाएका व्यक्तिहरूको तुलनामा, यो रोगको अवधि छोटो हुन्छ।

सर्ने माध्यम

- मुख्यतः खोकदाका छिटा वा हावाबाट सर्ने सक्छ
- संक्रमित व्यक्तिको फोडाबाट निकलेका स्राव वा चिप्लो झिल्लीहरूसँगको प्रत्यक्ष वा अप्रत्यक्ष सम्पर्कबाट पनि सर्न सक्छ

इनक्युबेसन अवधि

- 10 देखि 21 दिन, प्रायःजसो 14 देखि 16 दिन

संक्रमणको अवधि

- प्रायः बिबिरा देखिनुभन्दा 1 देखि 2 दिन अघि र फोडाहरू नसुकदासम्म
- अत्यधिक संक्रामक, विशेष गरी बिबिरा आउने प्रारम्भिक चरणमा

जटिलताहरू

- घाउमा सहायक ब्याक्टेरियल संक्रमण हुनसक्छ
- कमजोर प्रतिरक्षा भएका वा गर्भवती महिलाहरूलाई निमोनिया र इन्सेफलाइटिस जस्ता गम्भीर जटिलताहरूको सामान गर्नुपर्ने सम्भावना अत्यधिक हुन्छ
- दादुरा भएका नवजात शिशुलाई गम्भीर रोगहरू लाग्नसक्छ र मृत्यु पनि हुनसक्छ
- प्रारम्भिक गर्भावस्थाको संक्रमण भ्रुणको जन्मजात विसंगतिको कारणसँग सम्बन्धित हुनसक्छ

व्यवस्थापन

- अवस्थाको बारेमा बुझ्न चिकित्सकसँग परामर्श लिनुहोस् र लक्षणहरूमा आराम पाउनका लागि औषधि सेवन गर्न स्वास्थ्य पेशेवरको सुझावको पालना गर्नुहोस्
- ज्वरो आएमा, प्रशस्त मात्रामा पानी पिउनुहोस् र पर्याप्त मात्रामा आराम गर्नुहोस्
- फोडाहरूमा नकोतरियोस भन्नका लागि सुत्ने समयमा सफा कटनका पञ्जा लगाउनुहोस्।
- गर्भवती महिला र कमजोर प्रतिरोधात्मक क्षमता भएका व्यक्तिहरूको सम्पर्कमा नआउनुहोस्
- बिरामी बालबालिकाहरू सबै फोडाहरू सुक्छा नहुँदासम्म घरमा बस्ने गर्नुपर्छ, संक्रमण हुनबाट अरूलाई जोगाउन प्रायः बिबिरा देखापरेपछि 1 हप्तासम्म विद्यालयबाट निकालिएको हुनुपर्छ।
- अभिभावकहरूले बच्चाको अवस्थालाई नजिकबाट निरीक्षण गर्नुपर्छ। बच्चालाई निरन्तर ज्वरो आएमा, खान पिउन अस्वीकार गरेमा वा वान्ता गरेमा वा निद्रालु देखिएमा, तुरुन्तै चिकित्सकीय उपचार गराउनुहोस्।
- घरका अन्य बालबालिकाहरूमा दादुराका संकेत र लक्षणहरू छन् वा छैनन् भनी नजिकबाट नियाल्नुहोस्।

रोकथाम

- राम्रो व्यक्तिगत र वातावरणीय सरसफाइ कायम राख्नुहोस्।
- हडकडमा दादुराको खोप उपलब्ध छ। खोप लगाएका करिब 90% व्यक्तिहरूले प्रतिरोधात्मक क्षमता प्राप्त गर्नेछन्
- हडकडको बाल्य प्रतिरक्षण कार्यक्रम (Hong Kong Childhood Immunisation Programme) अन्तर्गत, बच्चाहरूले दुई-पटकको कोर्समा ठेउला (chickenpox)को खोप प्राप्त गर्दछन् (कृपया हडकड बाल्य प्रतिरक्षा कार्यक्रम हेर्नुहोस्)। अभिभावकहरूले विस्तृत विवरणहरू पाउन आफ्ना पारिवारिक डाक्टरहरूबाट वा बाल स्वास्थ्य केन्द्रहरूबाट सल्लाह प्राप्त गर्न सक्ने छन्।

स्वास्थ्य सुरक्षा केन्द्र (Centre for Health Protection) को वेबसाइट www.chp.gov.hk

एप्रिल 2019मा संशोधन भएको

انتظام کاری

- صورتحال کو سمجھنے کے لئے ڈاکٹر سے مشورہ کریں اور علامات سے نجات اور ادویات لینے کے لئے صحت کے پیشہ ورانہ ماہر کے مشورہ پر عمل کریں
- اگر بخار ہو، تو پانی کی کافی مقدار پئیں اور کافی آرام کریں
- چھالوں کے کھرچنے کو روکنے کے لئے نیند کے دوران صاف کاتن کے دستانے پہنیں
- حاملہ خواتین اور کمزور مدافعتی نظام کے حامل افراد کے ساتھ رابطے سے اجتناب کریں
- بیمار بچوں کو گھر پر رہنا چاہئیے اور اسکول/کنڈرگارٹنز/کنڈرگارٹنز مع بچے کی دیکھ بھال مرکز/بچوں کی دیکھ بھال کے مراکز سے الگ کر دینا چاہئیے، جب تک تمام ابلے خشک نہیں ہو جاتے ہیں، عام طور پر ددوروں کے رونما ہونے کے بعد تقریباً ایک ہفتے تک، تاکہ مرض کو دوسرے میں پھیلنے سے روکا جا سکے۔
- والدین کو بچے کی حالت کی بغور نگرانی کرنا چاہئیے۔ اگر بچے کو مسلسل بخار رہتا ہے، کھانے یا پینے سے انکار کرتا ہے، قے آتی ہے یا غنودگی دکھائی دیتی ہے، تو فوری طبی امداد طلب کرنی چاہئیے
- والدین کو گھر میں دوسرے بچوں میں بھی چکن پاکس کی نشانیوں اور علامات کی بغور نگرانی کرنی چاہئیے۔

بچاؤ/تحفظ

- اچھی ذاتی اور ماحولیاتی حفظان صحت کو برقرار رکھیں
- چکن پاکس ویکسین ہانگ کانگ میں دستیاب ہے۔ تقریباً 90% افراد جو ویکسین لیں گے مدافعت حاصل کریں گے
- ہانگ کانگ چائلڈ ہڈ امیونائزیشن پروگرام کے تحت، بچے چکن پاکس ویکسینیشن کی دو خوراکیوں کا کورس وصول پائے ہیں (براہ مہربانی ہانگ کانگ چائلڈ ہڈ امیونائزیشن پروگرام سے رجوع کریں)۔ والدین تفصیلات کے لیے خاندانی معالجین یا صحت مراکز برائے زچہ و بچہ سے مشاورت کر سکتے ہیں۔

مرکز برائے تحفظ صحت کی ویب سائٹ: www.chp.gov.hk

نظر ثانی شدہ اپریل 2019

سبب بننے والا عنصر

- واریسیلا زوسٹر وائرس کے سبب پیدا ہونے والا ایک شدید انفیکشن
- بنیادی طور پر 12 سال سے کم عمر بچوں کو متاثر کرتا ہے
- چکن پاکس کے انفیکشن کے بعد تقریباً تمام افراد تاحیات قوت مدافعت کو فروغ دیتے ہیں
- وائرس جسم میں پوشیدہ رہ سکتا ہے اور کئی سالوں بعد ہرپس زوسٹر (شنگلز) کے طور پر دوبارہ رونما ہو سکتا ہے۔

طبی خصوصیات

- بخار
- جلد پر کھجلی دار دھبے/دورے جو پہلے چپٹے دھبوں کے طور پر اور بعد میں آبلوں/چھالوں کے طور پر نمودار ہوتے ہیں۔ چھالے 4 – 3 دن جاری رہتے ہیں، پھر خشک اور کھرنڈ بن جاتا ہے
- عام طور پر تقریباً 4 – 2 ہفتوں میں ٹھیک ہو جاتے ہیں
- افراد جنہوں نے چکن پاکس ویکسینیشن کرائی ہے، کو بھی چکن پاکس ہو سکتے ہیں ('دوبارہ پھوٹنے والا مرض' کے نام سے معروف ہے)۔ طبی اظہار عام طور پر ہلکا یا غیر عمومی ہوتا ہے۔ جلد پر کچھ معمولی زخم بھی ہو سکتے ہیں اور جلد چھپاکی بھی عام طور پر کچھ داغدار آبلوں یا بغیر چھالوں کے ہوتی ہے۔ غیر ویکسین شدہ افراد کی نسبت، مرض کی مدت عام طور پر کم ہوتی ہے

انتقال مرض کا طریقہ

- قطروں یا ہوا کے ذریعے پھیل سکتی ہے۔
- چکن پاکس یا ہرپس زوسٹر سے متاثرہ افراد کے چھالوں اور بلغمی جھلیوں سے خارج ہونے والے مادوں کے ساتھ بالواسطہ یا بالواسطہ رابطے کے ذریعے بھی پھیل سکتا ہے

انکیوبیشن مدت

- 21 – 10 دن، عام طور پر 16 – 14 دن

متعدی مدت

- عام طور پر ددورے رونما ہونے سے 2 - 1 پہلے اور تمام چھالوں کے خشک ہو جانے تک
- خاص طور پر سرخ دانوں کے پھوٹنے کے ابتدائی مرحلے میں انتہائی متعدی ہے

پیچیدگیاں

- زخم کا ثانوی بیکٹیریئل انفیکشن ہو سکتا ہے
- کمزور مدافعتی نظام کے ساتھ یا جو حاملہ ہیں کو شدید پیچیدگیوں، جیسا کہ نمونیا اور ورم دماغ میں مبتلا ہونے کا زیادہ امکان ہے۔
- نوزائیدہ بچوں میں چکن پاکس پھیلنے کا نتیجہ شدید مرض کی صورت میں اور موت بھی واقع ہو سکتی ہے